UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

भूगोल

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

भूगोल (14)

MODEL PAPER 3 (RBSE)

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्न की संख्या	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड- अ (A)	1 (i to ix) 2 (i to iv) 3 (i to iv)	17	1	17
खण्ड- ब (B)	4 से 15	12	1½	18
खण्ड- स (C)	16 से 18	3	3	9
खण्ड- द (D)	19 से 20	2	4	8
खण्ड- य (E)	21 से 22	2	2	4

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

UTKARSH CLASSES

खण्ड–अ

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) निम्न में से मानव निर्मित तत्व को पहचानिए- [1]
(अ) पत्तन (ब) जलवायु
(स) जल (द) वनस्पति

(ii) निम्न जन्मदर एवं निम्न मृत्युदर किसकी सूचक है? [1]
(अ) विस्तारित होती जनसंख्या की (ब) स्थिर जनसंख्या की
(स) ह्रासमान जनसंख्या की (द) शून्य जनसंख्या की

(iii) चलवासी पशुचारकों का पर्वतीय-मैदानी प्रवास कहलाता है- [1]
(अ) आर्थिक प्रवास (ब) क्षेत्रीय प्रवास
(स) ऋतु प्रवास (द) स्थानीय प्रवास

(iv) पर्यटन आकर्षण का कारक नहीं है- [1]
(अ) जलवायु एवं भूदृश्य (ब) इतिहास एवं कला
(स) संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था (द) प्रशासन एवं राजव्यवस्था

(v) ग्रामीण बस्तियों में रैखिक प्रतिरूप पाया जाता है- [1]
(अ) सड़कों व नदियों के किनारे (ब) झीलों के चारों ओर
(स) सड़क के तिराहे पर (द) अन्तरा पर्वतीय घटियों में

(vi) 2020 में जारी H.D.I. रिपोर्ट में भारत का स्थान है? [1]
(अ) 111 वाँ (ब) 139 वाँ
(स) 120 वाँ (द) 131 वाँ

(vii) भारत सरकार द्वारा जल क्रांति अभियान आरम्भ किया गया- [1]
(अ) 1999-2000 में (ब) 2009-2010 में
(स) 2015-2016 में (द) 2018-2019 में

(viii) 'भारी धातु' उद्योगों के लिए कौनसा औद्योगिक प्रदेश जाना जाता है? [1]
(अ) गुजरात (ब) छोटा नागपुर
(स) गुरूग्राम-दिल्ली-मेरठ (द) कोलम-तिरूवनन्तपुरम्

(ix) गंगा नदी में किस नगर का औद्योगिक प्रदूषण सर्वाधिक है? [1]
(अ) लखनऊ (ब) दिल्ली
(स) आगरा (द) कानपुर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) ..... महाद्वीप में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व पाया जाता है। [1]

(ii) मानव विकास सूचकांक- 2020 में सर्वोच्च कोटि-क्रम वाला देश ..... है। [1]

(iii) कम दूरी हेतु सस्ता एवं तीव्रगामी माध्यम ..... परिवहन है। [1]

(iv) भरमौर क्षेत्र में ..... जनजाति निवास करती है। [1]

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

(i) केन्द्र सरकार द्वारा गंगा नदी की सफाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कौनसा कार्यक्रम शुरू किया गया है? [1]

(ii) यदि आपको लैगून झीलें देखनी हैं, तो आप किन दो राज्यों की यात्रा करेंगे? [1]

(iii) भोजन संग्रह विश्व के किन दो भागों में किया जाता है? [1]

(iv) "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बंधों का अध्ययन है।" मानव भूगोल की यह परिभाषा किसने दी? [1]

खण्ड - ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

4. ग्रामीण बस्तियों को प्रभावित करने वाले तीन कारक बताइए। [1½]

5. निपटाए गए नौभार के अनुसार पत्तनों के प्रकार लिखिए। [1½]

6. 'मुक्त व्यापार' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। [1½]

7. पारमहाद्वीपीय रेलमार्गों से क्या आशय है? इनका निर्माण क्यों किया जाता है? [1½]

8. वृद्धि और विकास में अन्तर स्पष्ट कीजिए। [1½]

9. यदि किसी प्रदेश का क्षेत्रफल 25 वर्ग किमी है तथा जनसंख्या 7500 है तो घनत्व ज्ञात कीजिए। [1½]

10. भारत में नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के दो कारण लिखिए। [1½]

11. प्रवास के दो सामाजिक परिणाम बताइए। [1½]

12. वाणिज्यिक एवं छावनी नगरों को उदाहरण सहित समझाइए। [1½]

13. पेट्रोलियम ऊर्जा संसाधन के दो उपयोग बताइए। [1½]

14. इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने हेतु दो उपाय सुझाइए। [1½]

15. भारत के निर्यात संघटन के प्रारूप की दो विशेषताएँ लिखिए। [1½]

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-

16. भारत की निम्नलिखित राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजनाओं पर टिप्पणी लिखिए- [1½+1½=3]
(i) स्वर्णिम चतुर्भज परियोजना
(ii) उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम गलियारा

17. भारत के पेट्रो-रसायन उद्योग को संक्षिप्त में समझाइए। [3]

18. 'अंकीय विभाजन' क्या है? समझाइए। [3]

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. विनिर्माण को परिभाषित करते हुए आकार के आधार पर विनिर्माण उद्योग के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए। [4]

अथवा

विश्व में सूती वस्त्र उद्योग पर लेख लिखिए। [4]

20. भारत में भू-उपयोग के किन चार संवर्गो में वृद्धि दर्ज की गई है? सकारण व्याख्या कीजिए। [4]

अथवा

भारत में खरीफ एवं रबी की फसलों का निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए- [1x4=4]
(i) अनुकूल जलवायवीय दशाएँ
(ii) मुख्य फसलें
(iii) समयावधि
(iv) प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) सूरत
(ब) कानपुर
(स) कोयम्बटूर
(द) मुर्शिदाबाद

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न हवाई पत्तनों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) पेरिस
(ब) रियो-डि-जेनेरो
(स) शंघाई
(द) शिकागो

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

उत्तरमाला – 03

खण्ड - अ

1.

(i) **[अ]**
पत्तन मानव निर्मित तत्व है, जबकि जलवायु, वनस्पति, जल इत्यादि प्रकृति द्वारा निर्मित तत्त्व हैं।

(ii) **[स]**
निम्न जन्मदर एवं निम्न मृत्युदर ह्रासमान जनसंख्या की सूचक हैं, जबकि विस्तारित होती जनसंख्या में उच्च जन्मदर व मध्यम मृत्युदर तथा स्थिर जनसंख्या में जन्मदर व मृत्युदर दोनों मध्यम से निम्न के बीच रहती हैं।

(iii) **[स]**
चलवासी पशुचारकों का पर्वतीय-मैदानी प्रवास ऋतु प्रवास कहलाता है। इस गतिविधि में पशुचारक गर्मियों में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाहों की ओर एवं शीत ऋतु में इसके विपरीत प्रवास करते हैं।

(iv) **[द]**
पर्यटन को आकर्षित करने वाले कारकों में जलवायु, भूदृश्य, इतिहास कला, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था आदि आते हैं। प्रशासन एवं राजव्यवस्था उक्त कारकों में सम्मिलित नही हैं।

(v) **[अ]**
रैखिक प्रतिरूप वाली बस्तियों में मकान सड़कों, रेल लाइनों, नदियों, नहरों, घाटी के किनारे अथवा तटबंधों पर स्थित होते हैं। अन्तरा पर्वतीय घाटियों में आयताकार, सड़क के तिराहे पर 'टी' आकार व झीलों के चारों ओर वृताकार प्रतिरूप बनते हैं।

(vi) **[द]**
2020 के मानव विकास सूचकांक की रिपोर्ट के अनुसार 189 देशों की सूची में भारत 131वें कोटि क्रम पर है। H.D.I. के संयुक्त मूल्य 0.645 के साथ हमारा देश मध्यम मानव विकास वाले देशों की श्रेणी में आता हैं।

(vii) **[स]**
जल क्रान्ति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015-16 में आरम्भ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।

(viii) **[ब]**
'भारी धातु' उद्योगों के लिए छोटा नागपुर औद्योगिक प्रदेश जाना जाता है। यह प्रदेश झारखण्ड, उतरी ओडिशा व पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है। कोयला, लौह अयस्क व दूसरे खनिजों की निकटता का इस प्रदेश को विशेष लाभ प्राप्त है।

(ix) **[द]**
गंगा नदी के किनारे बसा कानपुर नगर चमड़ा उद्योग के लिए जाना जाता है, साथ ही यह वस्त्र उद्योग का भी केन्द्र है। इस औद्योगिक नगर के कारण गंगा नदी सर्वाधिक प्रदूषित होती है।

2.

(i) एशिया
(ii) नॉर्वे
(iii) सड़क
(iv) गद्दी

3.

(i) केन्द्र सरकार द्वारा गंगा नदी की सफाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'नमामि गंगे' कार्यक्रम शुरू किया गया है।
(ii) यदि हमें लैगून झीलें देखनी हैं, तो हम केरल और ओडिशा जैसे तटवर्ती राज्यों की यात्रा करेंगे।
(iii) ध्रुवीय क्षेत्रों और भूमध्य रेखीय वर्षा वन क्षेत्रों में।
(iv) "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बंधों का अध्ययन है।" मानव भूगोल की यह परिभाषा एलन सी. सेंपल ने दी।

खण्ड - ब

4. **ग्रामीण बस्तियों को प्रभावित करने वाले कारक इस प्रकार हैं-**
जल आपूर्ति- साधारणतया ग्रामीण बस्तियाँ जल स्रोतों, जहाँ जल आसानी से उपलब्ध हो जाता है, के निकट बसाई जाती हैं।
भूमि- मनुष्य बसने के लिए उस जगह का चुनाव करता है जहाँ की भूमि कृषि कार्य के लिए उपयुक्त व उपजाऊ हो।
सुरक्षा- राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध या पड़ोसी समूहों के उपद्रवी होने की स्थिति में गाँवों को सुरक्षात्मक पहाड़ियों एवं द्वीपों पर बसाया जाता था।

5. **निपटाए गये नौभार के अनुसार पत्तनों के प्रकार:**
- **औद्योगिक पत्तन:** ये पत्तन थोक नौभार के लिए विशेषीकृत होते हैं जैसे- अनाज, चीनी, रसायन और इसी प्रकार के पदार्थ।
- **वाणिज्यिक पत्तन:** ये पत्तन सामान्य नौभार संवेष्टित उत्पादों तथा विनिर्मित वस्तुओं का निपटान करते हैं। ये पत्तन यात्री-यातायात का भी प्रबंध करते हैं।
- **विस्तृत पत्तन:** ये पत्तन बड़े परिमाण में सामान्य नौभार का थोक में प्रबंध करते हैं।

6. व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार अथवा व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है। यह कार्य व्यापारिक अवरोधों जैसे सीमा शुल्क को घटाकर किया जाता है। घरेलू उत्पादों एवं सेवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के लिए व्यापार उदारीकरण सभी स्थानों से वस्तुओं और सेवाओं के लिए अनुमति प्रदान करता है।

7. पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग पूरे महाद्वीप से गुज़रते हुए इसके दोनों छोरों को जोड़ते हैं। इनका निर्माण आर्थिक और राजनीतिक कारणों से विभिन्न दिशाओं में लंबी यात्राओं की सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया है। पार-साइबेरियन रेलमार्ग, पार-कैनेडियन रेलमार्ग, संघ और प्रशांत रेलमार्ग और आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग विश्व के कुछ प्रमुख पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग हैं।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

8.

वृद्धि	विकास
• वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष है। • इसका चिह्न धनात्मक अथवा ऋणात्मक हो सकता है। • इस वृद्धि का अधिकांश लोगों के जीवन में परिवर्तन से कोई संबंध नहीं होता है।	• विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन है जो मूल्य सापेक्ष होता है। • इसका अर्थ है-विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान दशाओं में वृद्धि न हो। • विकास उस समय होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।

9. यदि किसी प्रदेश का क्षेत्रफल 25 वर्ग किमी है तथा जनसंख्या 7500 है तो घनत्व निम्नलिखित सूत्र द्वारा ज्ञात किया जायेगा-

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{7500}{25} = 300 \text{ व्यक्ति/वर्ग किमी.}$$

10. ग्रामीण जनसंख्या के विपरीत भारत में नगरीय जनसंख्या का अनुपात (31.16 प्रतिशत) काफ़ी निम्न है किंतु पिछले दशकों में यह वृद्धि की बहुत तीव्र दर को दर्शा रहा है। नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर के दो प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-
1. नगरों का संवृद्ध आर्थिक विकास।
2. शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी दशाओं में सुधार।

11. **प्रवास के दो सामाजिक परिणाम निम्नलिखित हैं-**
- नवीन प्रौद्योगिकियों, परिवार नियोजन, बालिका शिक्षा इत्यादि से संबंधित नए विचारों का नगरीय क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर विसरण प्रवासियों के माध्यम से होता है।
- खिन्नता की सतत भावना लोगों को अपराध और औषध दुरुपयोग जैसी असामाजिक क्रियाओं के जाल में फँसने के लिए अभिप्रेरित कर सकती है।

12. **वाणिज्यिक नगर-** व्यापार और वाणिज्य में विशिष्टता प्राप्त शहरों और नगरों को इस वर्ग में रखा जाता है। कोलकाता, सहारनपुर, सतना इत्यादि कुछ उदाहरण हैं।

गैरिसन (छावनी) नगर- इन नगरों का उदय गैरिसन नगरों के रूप में हुआ है। इन्हें सैन्य नगरों के रूप में जाना जाता हैं। जैसे- अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर इत्यादि।

13. कच्चा पेट्रोलियम द्रव और गैसीय अवस्था के हाइड्रोकार्बन से युक्त होता है तथा इसकी रासायनिक संरचना, रंगों और विशिष्ट घनत्व में भिन्नता पाई जाती है। यह मोटर-वाहनों, रेलवे तथा वायुयानों के अंतर-दहन ईंधन के लिए ऊर्जा का एक अनिवार्य स्रोत है।
- इसके अनेक सह-उत्पाद पेट्रो-रसायन उद्योगों, जैसे कि उर्वरक, कृत्रिम रबर, कृत्रिम रेशे, दवाइयाँ, वैसलीन, स्नेहकों, मोम, साबुन तथा अन्य सौंदर्य सामग्री में प्रक्रमित किए जाते हैं।

14. **इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने हेतु दो उपाय-**
- इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में सामान्यतः जल सघन फ़सलों को नहीं बोया जाना चाहिए। इसका पालन करते हुए किसानों को बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए।
- कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन प्रभावी रूप से कार्यान्वित किए जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके।

15. **भारत के निर्यात संघटन के प्रारूप की दो विशेषताएँ-**
- भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं के संघटकों में समय के साथ बदलाव आए हैं। इसमें कृषि तथा समवर्गी उत्पादों का हिस्सा घटा है, जबकि पेट्रोलियम तथा अपरिष्कृत उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं में वृद्धि हुई है।
- अयस्क खनिजों तथा निर्मित सामानों का हिस्सा वर्ष 2009-10 से 2010-11 तथा 2015-16 से 2016-17 तक व्यापक तौर पर लगातार स्थिर-सा रहा है।

खण्ड-स

16. **(i) स्वर्णिम चतुर्भज परियोजना-** इसके अंतर्गत 5,846 कि.मी. लंबी 4/6 लेन वाले उच्च सघनता के यातायात गलियारे शामिल हैं जो देश के चार विशाल महानगरों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता को जोड़ते हैं। स्वर्णिम चतुर्भुज के निर्माण के साथ भारत के इन महानगरों के बीच समय-दूरी तथा यातायात की लागत महत्वपूर्ण रूप से कम होगी। इस महामार्ग द्वारा जुड़ने वाले कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण नगर- अहमदाबाद, बेंगलुरु, जयपुर, कानपुर और भुवनेश्वर आदि हैं।

(ii) उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम गलियारा- उत्तर-दक्षिण गलियारे का उद्देश्य जम्मू व कश्मीर के श्रीनगर से तमिलनाडु के कन्याकुमारी को 4,016 कि.मी. लंबे मार्ग द्वारा जोड़ना है। पूर्व एवं पश्चिम गलियारे का उद्देश्य असम में सिलचर से गुजरात में पोरबंदर को 3,640 कि.मी. लंबे मार्ग द्वारा जोड़ना है।

17. **पेट्रो-रसायन उद्योग-** देश में पेट्रो रसायन उद्योग की शुरुआत निजी क्षेत्र में सन् 1966 से हुई जबकि सार्वजनिक क्षेत्र का प्रथम कारखाना वड़ोदरा में वर्ष 1969 में स्थापित किया गया। अपरिष्कृत पेट्रोल से कई प्रकार की वस्तुएँ तैयार की जाती हैं जो अनेक नए उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराती हैं, इन्हें सामूहिक रूप से पेट्रो-रसायन उद्योग के नाम से जाना जाता है। उद्योगों के इस वर्ग को चार उपवर्गों में विभाजित किया गया है-

(1) पॉलीमर (2) कृत्रिम रेशे
(3) इलैस्टोमर्स (4) पृष्ठ संक्रियक

पेट्रो-रसायन उद्योग केंद्र- मुंबई शैल-रसायन उद्योगों का केंद्र है। पेट्रो रसायन उद्योग औरैया (उत्तर प्रदेश), जामनगर, गांधीनगर और हजीरा (गुजरात), नागोथाने, रत्नागिरि महाराष्ट्र, हल्दिया (पश्चिम बंगाल) और विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) में भी स्थित हैं।

18. **अंकीय विभाजक-** सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। देशों में विस्तृत आर्थिक, राजनीतिक

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

और सामाजिक भिन्नताएँ पाई जाती हैं। निर्णायक कारक यह है कि कोई देश कितनी शीघ्रता से अपने नागरिकों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच और उसके लाभ उपलब्ध करा सकता है। विकसित देश, सामान्य रूप से, इस दिशा में आगे बढ़ गए हैं जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं और इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है। इस प्रकार का विभाजन वृहद् आकार के देशों व राज्यों के भीतर भी देखने को मिलता है। जैसे- भारत के महानगरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों का संचार प्रौद्योगिकी से जुड़ाव बहुत कमजोर है।

खण्ड - द

19. **विनिर्माण की परिभाषा-** विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'। इसमें यंत्रों द्वारा बनाया गया सामान भी सम्मिलित किया जाता है। यह एक परमावश्यक प्रक्रिया है, जिसमें कच्चे माल को स्थानीय या दूरस्थ बाज़ार में बेचने के लिए ऊँचे मूल्य के तैयार माल में परिवर्तित कर दिया जाता है। विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु का उत्पादन है।

आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण-

1. कुटीर उद्योग- इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं। कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। इस उद्योग में दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुएँ उत्पादित की जाती हैं। उदाहरण- चटाइयाँ, जूते, पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन आदि।

2. छोटे पैमाने के उद्योग- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं। इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है। अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।

3. बड़े पैमाने के उद्योग- बड़े पैमाने के उद्योग के लिए आवश्यक तत्वों में विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन, अधिक पूँजी की आवश्यकता आदि हैं। विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को उनके वृहत् पैमाने पर किए गए निर्माण के आधार पर दो बड़े समूहों में बाँटा जा सकता है-

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

अथवा

सूती वस्त्र उद्योग संसार के प्राचीनतम उद्योगों में से एक है। यह उद्योग कृषि आधारित है। इस उद्योग में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

उत्पादन प्रक्रिया-

- हथकरघा- हथकरघा क्षेत्र में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है। यह अर्द्धकुशल श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करता है। पूँजी की आवश्यकता भी इसमें कम होती है। इसके अंतर्गत सूत की कताई, बुनाई आदि का कार्य किया जाता है।
- बिजली करघा- बिजली करघों से कपड़ा बनाने में यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। अतः इसमें श्रमिकों की कम आवश्कता पड़ती है एवं उत्पादन भी अधिक होता है।
- सूती कारखाना- कारखानों में कपड़ा बनाने के लिए अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है। इसमें अच्छे प्रकार के कपड़े का बहुत अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है।

विश्व उत्पादन एव वितरण- सूती वस्त्र निर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में अच्छी किस्म की कपास चाहिए। विश्व के 50 प्रतिशत से अधिक कपास का उत्पादन भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान एवं मिस्र में किया जाता है। ग्रेट ब्रिटेन, उत्तरी पश्चिमी यूरोप के देश एवं जापान भी आयातित धागे से सूती कपड़े का उत्पादन करते हैं। अकेला यूरोप विश्व का लगभग आधा कपास आयात करता है। वर्तमान में इस उद्योग को कृत्रिम रेशे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। जिसके कारण अनेक देशों में इसमें नकारात्मक प्रवृति देखी जा रही है। वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी सुधारों से उद्योगों की संरचना में परिवर्तन होता है। उदाहरण के तौर पर द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर सत्तर के दशक तक जर्मनी ने इस उद्योग में काफ़ी प्रगति की पर अब इसके उत्पादन में कमी आ रही है।

20. विगत कुछ समय में भारत के निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। इसी प्रकार, गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि, वन भूमि तथा वर्तमान परती भूमि के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है। इन संवर्गों में हुई वृद्धि के मुख्य कारण इस प्रकार हैं-

1. गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्र- इसका कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना है, जिसकी निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों तथा अवसंरचना संबंधी विस्तार पर उत्तरोत्तर बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, गाँवों व शहरों में, बस्तियों के अंतर्गत क्षेत्रफल में विस्तार से भी इसमें वृद्धि हुई हैं। अत: गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि का प्रसार कृषि योग्य परंतु व्यर्थ भूमि तथा कृषि भूमि की हानि पर हुआ है।

2. वन क्षेत्र- देश में वन क्षेत्र में वृद्धि सीमांकन के कारण हुई न कि देश में वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र के कारण।

3. वर्तमान परती भूमि- वर्तमान परती भूमि में वृद्धि को इस प्रकार से समझा जा सकता है- वर्तमान परती क्षेत्र में समयानुसार काफ़ी उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति रही है, जो वर्षा की अनियमितता तथा फ़सल-चक्र पर निर्भर है।

4. निवल बोया गया क्षेत्र- कृषि हेतु कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के उपयोग के कारण निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि एक वर्तमान घटना है। इससे पहले निवल बोए गए क्षेत्र में धीमी गति से ह्रास दर्ज किया जाता रहा। ऐसे संकेत हैं कि निवल बोए गए क्षेत्र में न्यूनता का कारण गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में वृद्धि थी।

भू-उपयोग पैटर्न में हो रहे परिवर्तन इसके निकटवर्ती क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में भी विभिन्न परिवर्तन लाते हैं, जो लोगों की आजीविका पर सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों प्रकार के प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

अथवा

अनुकूल जलवायवीय दशाएँ- भारत में खरीफ़ की फसलें दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बोई जाती हैं जिनमें उष्ण कटिबंधीय फ़सलें सम्मिलित हैं। अधिकांश खरीफ़ फसलों के उत्पादक क्षेत्र वर्षा पर निर्भर रहते है जबकि कुछ क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएँ उपलब्ध होने के कारण वर्षा पर निर्भरता कम हो जाती है। जबकि रबी की फसलों की बात करें तो इन फ़सलों की शीतोष्ण व उपोष्ण कटिबन्धीय-उपार्द्र जलवायु में पैदावार की जाती है, साथ ही भारत में ये पूर्णरूप से सिंचाई पर निर्भर होती है। शीतकालीन वर्षा, जो कि भारत के अत्यल्प हिस्सों में ही होती है, रबी की फसलों के लिए लाभकारी होती है।

मुख्य फसलें- खरीफ़ की मुख्य फसलें- चावल, कपास, बाजरा, मक्का, ज्वार, अरहर (तुर), रागी, मूंगफली आदि हैं जबकि रबी की प्रमुख फसलें- गेहूँ, चना, तोरई, सरसों और जौ आदि हैं।

समयावधि- खरीफ़ की ऋतु जून-जुलाई में बुवाई से प्रारंभ होकर सितंबर-अक्टूबर में कटाई के साथ समाप्त होती है। जबकि रबी की ऋतु अक्टूबर-नवंबर में शरद ऋतु से प्रारंभ होकर मार्च-अप्रैल में समाप्त होती है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र- खरीफ़ की फसलों का उत्पादन लगभग पूरे भारत में किया जाता है। भारत के उत्तरी भाग में ग्रीष्म ऋतु में तथा दक्षिण भाग में पूरे वर्ष इन फसलों का उत्पादन होता है जबकि रबी की फसलें केवल उत्तरी भारत के उपोष्ण व शीतोष्ण कटिबन्धीय भागों में शीत ऋतु में ही बोई जाती हैं। खरीफ़ की फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्य- तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश और गुजरात आदि हैं, जबकि रबी की फसलें मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान व मध्यप्रदेश आदि राज्यों में उत्पादित होती हैं।

खण्ड - य

21.

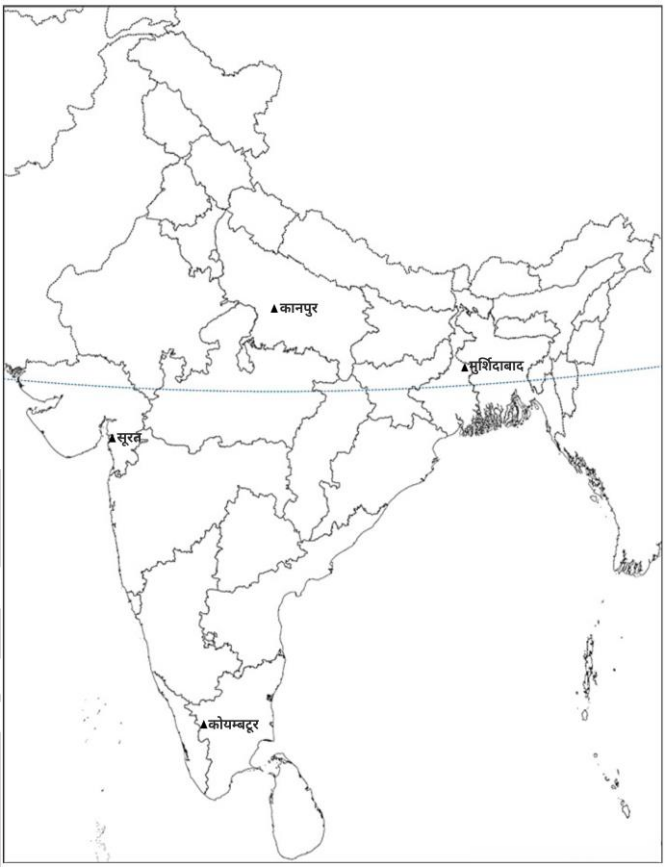

22.

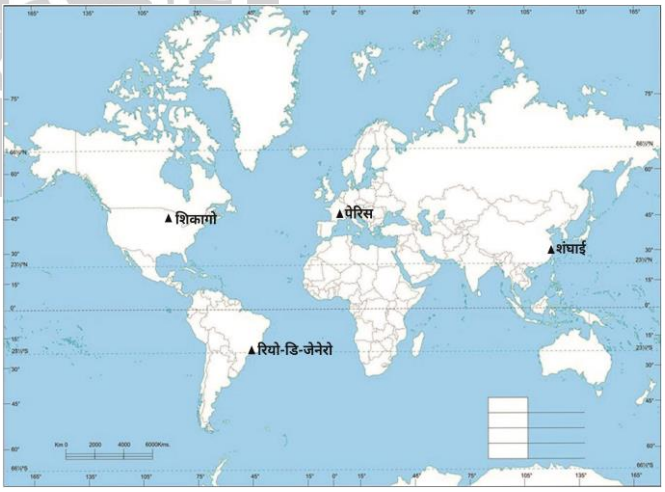

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan कर आज ही **'उत्कर्ष एप'** डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com